

बुक-कीपिंग एण्ड एकाउन्टेन्सी - 2011

समय - 3 घण्टे]

कक्षा-12वीं

[पूर्णांक - 100

निर्देश- (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (2) प्रश्न-पत्र में दिये गये निर्देश सावधानीपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3) प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है- खण्ड-अ और खण्ड-ब। (4) खण्ड-अ में दिये गये प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ हैं जिनके अन्तर्गत सही विकल्प का चयन, रिक्त स्थान की पूर्ति, सही जोड़ी बनाना, सत्य/असत्य एवं एक शब्द में उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। (5) खण्ड-ब में प्रश्न क्रमांक 6 से 20 में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं। (6) प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक 4 अंक का है। (7) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक प्रत्येक 5 अंक का है। (8) प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक प्रत्येक 6 अंक का है।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर लिखिए-

5

(1) प्रेषण खाता है-

- (अ) व्यक्तिगत खाता (ब) वास्तविक खाता
(स) नाममात्र का खाता (द) व्यापारिक खाता

(2) पूनर्मूल्यांकन खाते की हानि लिखी जाती है-

- (अ) चालू खाते के क्रेडिट पक्ष (Cr) में
(ब) पूँजी खाते के क्रेडिट पक्ष (Cr) में
(स) रोकड़ खाते के डेबिट पक्ष (Dr) में
(द) पूँजी खाते के डेबिट पक्ष (Dr) में

(3) पूनर्मूल्यांकन खाता बनाते हैं-

- (अ) फर्म के विघटन पर (ब) फर्म के लाभ होने पर
(स) नये साझीदार के प्रवेश पर (द) व्यवसाय बन्द करने पर

(4) ऋण-पत्रों के प्रकार हैं-

- (अ) एक (ब) तीन
(स) चार (द) दो

(5) साझेदारी संलेख के अभाव में ऋण पर ब्याज दिया जाता है-

(अ) 6%

(ब) 8%

(स) 9%

(द) 12%

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

5

(1) साझेदारी संलेख बनाना नहीं है।

(2) प्राप्ति का अनुपात = नया अनुपात - अनुपात।

(3) जीवन बीमा संचय कोष को हस्तांतरित करेंगे के पूँजी खाते में।

(4) वसूली खाता एक प्रकार का खाता है।

(5) लेनदार कम्पनी के होते हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइये-

5

स्तंभ (अ)

स्तंभ (ब)

(अ) सामान्य हानि

(1) चालू खाता

(ब) स्थिर पूँजी खाता

(2) प्रेषण खाता

(स) पुनर्मूल्यांकन खाते की हानि

(3) ऋण-पत्र

(द) साझेदारी अधिनियम, 1932 की

(4) पूँजी खाते के डेबिट पक्ष में

धारा 39

(इ) कम्पनी अधिनियम, 1956

(5) समापन

की धारा 2 (12)

प्रश्न 4. निम्नलिखित का सत्य/असत्य में उत्तर दीजिए-

5

(1) विक्रय विवरण प्रेषक द्वारा भेजा जाता है।

(2) ख्याति एक स्थायी सम्पत्ति है।

(3) पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्ति के विक्रय पर बनाते हैं।

(4) फर्म के समापन की पाँच विधियाँ हैं।

(5) ऋणपत्रधारी को कम्पनी का अंशधारी भी कहते हैं।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक शब्द में उत्तर लिखिये-

(1) प्रेषक खाता कौन बनाता है?

(2) साझेदार फर्म से कब निवृत्त होता है?

(3) एक कम्पनी ने 5 लाख रुपये में एक भवन क्रय किया, इस हेतु वह 100 रु. वाले कितने ऋणपत्र निर्गमित करेगी?

(4) त्याग अनुपात की गणना क्यों आवश्यक है?

(5) वे ऋणपत्र जो अंशों में बदले जा सकते हैं, क्या कहलाते हैं?

खण्ड-ब

प्रश्न 6. साझेदारी के चालू खाते में किन-किन मदों का लेखा किया जाता है? 4

(अथवा) कमलेश और विशाल एक फर्म में साझेदार हैं। 1 जनवरी, 2007 को उनकी पूँजी क्रमशः 25,000 रु. और 20,000 रु. थी। उन्हें पूँजी पर 8% की दर से ब्याज दिया जाता है एवं उनके आहरणों पर 12% वार्षिक की दर से ब्याज लगाया जाता है। कमलेश ने फर्म को 1 जुलाई, 2007 को 10,000 रु. ऋण के रूप में दिये। विशाल को 5,000 रु. वार्षिक वेतन पाने का अधिकार है। आहरण पर ब्याज क्रमशः 600 रु. और 500 रुपये लगाया गया। 31 दिसम्बर, 2007 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ उक्त समायोजन के पूर्व 25,000 रुपये था। लाभ-हानि समायोजन खाता एवं साझेदारों के पूँजी खाते बनाइये।

प्रश्न 7. अंश-पत्र और ऋण-पत्र में क्या अन्तर है (कोई चार)? 4

(अथवा) दीपशिखा कं., इन्दौर ने 80,000 रुपये में एक मशीन प्रतीक मशीनरी स्टोर्स, इन्दौर से क्रय की, उन्होंने 30,000 रुपये नगद चुकाये तथा शेष रकम के लिये 10 रु. वाले 5,000 पूर्णदत्त समता अंश निर्गमित किये। दीपशिखा कं., इन्दौर की पुस्तक में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

प्रश्न 8. मैसर्स रिदम एण्ड कम्पनी, गोविन्दनगर ने 50 रु. मूल्य वाले 10,000, 12% ऋण-पत्र 5% कटौती पर निर्गमित किये। इन पर 10 रु. आवेदन पर, 25 रु. आवंटन पर (बट्टे सहित) तथा 15 रु. प्रथम एवं अन्तिम याचना पर देय हैं। सभी राशियाँ आवेदन पर प्राप्त की गईं। आवश्यक पूँजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

(अथवा) शोध्य एवं अशोध्य ऋण-पत्र से क्या आशय है?

प्रश्न 9. तरलता अनुपात से आप क्या समझते हैं? इसके अन्तर्गत कौन-कौनसे अनुपातों की गणना की जाती है? 4

(अथवा) वित्तीय विश्लेषण की किन्हीं दो विधियों को समझाइये।

प्रश्न 10. कोष प्रवाह विवरण के कोई चार उद्देश्य लिखिये। 4

(अथवा) रोकड़ प्रवाह विवरण का महत्व लिखिये (कोई चार बिन्दु)।

प्रश्न 11. सुन्दरनगर के कराहे ने 8,200 रु. की लागत का माल अपने एजेन्ट श्रीनाथ नगर के कार्तिक को प्रेषण पर भेजा। प्रेषक ने भाड़े और बीमे के 700 रुपये चुकाये। मार्ग में माल का 1/5 भाग आग से नष्ट हो गया जिसके लिये बीमा कं. ने 800 रु. का दायित्व स्वीकार किया। कार्तिक ने शेष माल प्राप्त करने पर 800 रु. चुंगी के चुकाए। उन्होंने प्राप्त माल का 3/4 भाग 10,000 रु. में बेच दिया। उनके

विक्रय व्यय 470 रु. हुए। उन्होंने विक्रय पर 5% कमीशन काटकर शेष राशि बैंक ड्राफ्ट द्वारा विक्रय विवरण के साथ कराहे को भेज दी। प्रेषण खाता बनाइये।

5

(अथवा) प्रेषण खाते में असामान्य हानि से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 12. ख्याति उत्पत्ति के कारणों को समझाइये।

5

(अथवा) एक फर्म की पूँजी 1 लाख रुपया है और वह 20 हजार रुपये औसत वार्षिक लाभ कमाती है। इस प्रकार के व्यापार में साधारणतया 10 प्रतिशत लाभ होता है। यदि ख्याति अधिलाभ के पूँजीकृत मूल्य के बराबर हो, तो फर्म की ख्याति का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 13. गोपाल और लीला एक फर्म में साझेदार हैं और 4 : 1 में लाभ-हानि बाँटते हैं।

31 दिसम्बर, 2007 को उनका चिट्ठा इस प्रकार था-

गोपाल और लीला

चिट्ठा

(31 दिसम्बर, 2007 को)

दायित्व	रकम	सम्पत्तियाँ	रकम
लेनदार	12,000	फर्नीचर	10,500
सामान्य संचय	4,000	मशीन	2,000
लाभ-हानि खाता	2,000	भवन	8,000
पूँजी- गोपाल	9,000	स्टॉक	4,500
लीला	1,500	देनदार	3,000
		रोकड़	500
	28,500		28,500

इस तिथि पर उन्होंने सोनू को निम्नलिखित शर्तों पर साझेदार बनाने का निश्चय किया-

- (1) सोनू का व्यवसाय में 1/2 भाग होगा जिसके लिये वह 17,500 रुपये पूँजी के रूप में देंगी।
- (2) फर्नीचर का मूल्य 2% घटा दिया जाए और स्टॉक का मूल्य 6% बढ़ा दिया जाए।
- (3) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन 2,000 रुपये किया गया है।
- (4) अन्त में साझेदारी के पूँजी खाते सोनू की पूँजी के अनुपात में समायोजित किये जाएँ। जिसकी पूँजी अधिक है, उसे लौटाई जाए एवं जिसकी कम है उससे नकद मँगाई जाए।

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं पूँजी खाता बनाइये।

(अथवा) लेखा मानक 10 के अनुसार नये साझेदार के प्रवेश पर ख्याति के सम्बन्ध में क्या प्रावधान है?

प्रश्न 14. भावना कम्पनी ने 20 रु. वाले 5,000 अंश 22 रुपये मूल्य पर निर्गमित किये। अंशों की राशि इस प्रकार से देय थी- आवेदन पर 6 रु. आबंटन पर 12 रु. (प्रीमियम सहित) तथा प्रथम एवं अन्तिम याचना पर 4 रु.। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गई। भावना की पुस्तक में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिये। 5

(अथवा) पूर्वाधिकार अंश और समता अंश में अंतर लिखिये।

प्रश्न 15. कम्पनी चिट्ठे के दायित्व पक्ष की मदों को समझाइये। 5

(अथवा) कम्पनी चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष की मदों को समझाइये।

प्रश्न 16. पूनर्मूल्यांकन खाता वसूली खाता में अन्तर कीजिए। 6

(अथवा) अंजना, पद्मा और पार्वती एक फर्म में साझेदार हैं। इनके लाभ-हानि अनुपात 3 : 2 : 1 है। 31 दिसम्बर, 2006 को उन्होंने फर्म का विघटन करने का निश्चय किया। उस दिन उनका चिट्ठा इस प्रकार था-

अंजना, पद्मा और पार्वती

चिट्ठा

(31 दिसम्बर, 2006 को)

दायित्व	रकम	सम्पत्तियाँ	रकम
लेनदार	35,000	भूमि व भवन	52,000
अंजना का ऋण	25,000	स्टॉक	48,000
सामान्य संचय	2,400	विनियोग	10,000
पूँजी- अंजना	45,000	देनदार 55,000	
पद्मा	37,000	-संचय 5,000	50,000
पार्वती	18,000	रोकड़	2,400
	1,62,400		1,62,400

- (1) स्टॉक और देनदारों से क्रमशः 33,000 रु. और 42,000 रुपये वसूल हुए।
 - (2) भूमि और भवन का विक्रय 40,000 रुपये में किया गया।
 - (3) पद्मा ने विनियोग 8,400 रु. में रख लिये।
 - (4) लेनदारों को 33,000 रु. पूर्ण भुगतान में किये।
 - (5) अदत्त व्यय 5,000 रु. चुकाये गये जो पुस्तकों में नहीं थे।
- वसूली खाता एवं पूँजी खाता बनाइये।

प्रश्न 17. (अ) अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन से क्या आशय है?

(ब) प्रीमियम राशि का क्या उपयोग है, लिखिए।

(अथवा) मनोज कम्पनी, इन्दौर ने 500 समता अंश 100 रु. प्रति अंश निम्न शर्तों पर निर्गमित किये-

आवेदन पर 30 रु., आबंटन पर 30 रु. प्रथम याचना पर 20 रुपये तथा द्वितीय तथा अन्तिम याचना पर 20 रु. सभी राशियाँ प्राप्त हुईं किन्तु एक अंशधारी दीपक जिसके पास 10 अंश थे, दोनों याचना नहीं चुका सका। उसके अंश हरण कर लिये गये। कम्पनी को पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

प्रश्न 18. ऋणपत्रों के आवश्यक लक्षण लिखिये।

6

(अथवा) ऋणपत्रों के निर्गमन पर निम्न की क्या प्रविष्टि होगी-

- (1) ऋणपत्रों के निर्गमन पर रकम एक-मुश्त प्राप्त होना।
- (2) ऋणपत्रों का बट्टे पर निर्गमन करना।
- (3) ऋणपत्रों का प्रीमियम पर निर्गमन करना।

प्रश्न 19. चालू अनुपात और तरल अनुपात को समझाए।

(अथवा) लाभदायकता अनुपात तथा बिक्री अनुपात से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 20. कोष प्रवाह विवरण का महत्व लिखिये-

6

(अथवा) गौतम कम्पनी के वर्ष 2006-2007 के चिट्ठे निम्न हैं-

गौतम कम्पनी

(वर्ष 2006-2007 के चिट्ठे)

दायित्व	2006	2007	सम्पत्तियाँ	2006	2007
पूँजी	4,00,000	2,00,000	धन	3,00,000	2,40,000
लेनदार	40,000	30,000	मशीन	60,000	50,000
देय विपत्र	5,000	4,000	देनदार	30,000	28,000
लाभ-हानि खाता	1,00,000	2,00,000	रोकड़	1,00,000	40,000
			स्टाक	55,000	76,000
	5,45,000	4,34,000		5,45,000	4,34,000

उपर्युक्त जानकारी के द्वारा रोकड़ की गणना कीजिए।